

पुनरुक्तवदाभास पुं. (तत्.) काव्य. पद्य में जहाँ पुनरुक्ति न होकर पुनरुक्ति का आभास मात्र होता है, एक अलंकार।

पुनरुक्ति स्त्री. (तत्.) 1. एक ही कथ्य को भिन्न-भिन्न प्रकार से कई बार कहना 2. काव्य. एक शब्दालंकार जो पद्य में एक ही शब्द के, एकाधिक बार प्रयोग करने पर अधिक रोचक भाव उत्पन्न करता है 3. 'पुनरुक्त' नामक काव्यदोष।

पुनरुक्तिदोष पुं. (तत्.) मनो. बात को प्रभावी ढंग से कहने के बावजूद बात के बीच-बीच में अनावश्यक रूप से कुछ शब्दों या वाक्यांशों को बोलने की आदत।

पुनरुक्तिप्रकाश पुं. (तत्.) काव्य. पुनरुक्ति नामक शब्दालंकार का प्रकार।

पुनरुज्जीवित पुं. (तत्.) 1. जिसे, मरकर फिर से जीवन प्राप्त हुआ हो 2. विधि. जिसे फिर से लागू कर दिया गया हो।

पुनरुत्थान पुं. (तत्.) 1. फिर से उठना 2. पतन के बाद फिर से प्रगति प्राप्त करना/उन्नति प्राप्त करना 2. पुनर्जागरण।

पुनरुत्थित वि. (तत्.) जिसका उद्धार/पुनरुत्थान किया गया हो।

पुनरुत्पत्ति स्त्री. (तत्.) फिर से जन्म लेना, पुनर्जन्म।

पुनरुत्पादन पुं. (तत्.) फिर से उत्पादन, दुबारा उत्पादन।

पुनरुद्धार पुं. (तत्.) किसी भग्न या क्षरणशील वस्तु, भवन, मंदिर, कुआँ या तालाब आदि को फिर से ठीक करना ताकि उसका विनाश आगे रुक जाए।

पुनर्गठन पुं. (तत्.) 1. किसी संस्था, समिति आदि का दुबारा से गठन करना 2. पूर्व की लिखी रचना आदि में संशोधन कर फिर से लेखन।

पुनर्गठित वि. (तत्.) जिसका पुनर्गठन किया गया हो, जिसका फिर से गठन किया गया है।

पुनर्गणना स्त्री. (तत्.) दुबारा की जाने वाली गणना।

पुनर्गमन पुं. (तत्.) दुबारा प्रस्थान करना।

पुनर्गेय वि. (तत्.) दुबारा गाया जाने योग्य।

पुनर्ग्रहणाधिकार पुं. (तत्.) एक नौकरी में रहते हुए किसी अन्य नौकरी में ज्वाइन करने के उपरांत पुनः अपनी पहली नौकरी पर आने का अधिकार।

पुनर्जन्म पुं. (तत्.) दुबारा जन्म लेना, दुबारा शरीर धारण करना।

पुनर्जागरण पुं. (तत्.) इति. किसी देश या समाज की विगलित/सुप्त चेतना का जागरण जैसे- 18वीं एवं 19वीं शताब्दी भारत का पुनर्जागरण काल है।

पुनर्जात वि. (तत्.) जिसका फिर से जन्म हुआ हो।

पुनर्जीवन पुं. (तत्.) फिर से जीवन प्राप्त होना।

पुनर्जीवित वि. (तत्.) जिसने मरकर दुबारा जन्म लिया हो।

पुनर्नव वि. (तत्.) जो पुराना हो जाने पर फिर से नया हो गया हो।

पुनर्नवा स्त्री. (तत्.) एक उद्भिद/शाक जो प्रायः वर्षा ऋतु/शरद् ऋतु में उगता है, इसकी बेल जमीन पर और सहारे से ऊँचाई पर भी फैलती है, यह तीन प्रकार के होते हैं- श्वेत पुनर्नवा, रक्त पुनर्नवा एवं नील पुनर्नवा।

पुनर्निर्माण पुं. (तत्.) किसी जीर्ण-शीर्ण वस्तु, भवन, मूर्ति, मकान आदि का दुबारा से निर्माण।

पुनर्निर्मित स्त्री. (तत्.) पुनर्निर्माण।

पुनर्निर्यात पुं. (तत्.) दूसरे देशों में माल या सामान को दुबारा निर्यात करना।

पुनर्नियुक्ति स्त्री. (तत्.) कार्यालय या किसी संस्था/समिति आदि में किसी पद/काम पर फिर से की गई नियुक्ति।